

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन - 2026 : जयपुर
2.	ऋषभदेव पखवाड़ा (1 से 15 अप्रैल)
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. एम्पावरिंग राजस्थान यूथ : ए लीगल लिटरेसी इनिशिएटिव - 2026 2. IPS विनय कुमार : राज्यपाल के नए परिसहाय 3. 'जूनियर एडिटर - 8' में राजस्थान के 2 प्रतिभागी विजेता 4. राजस्थान की 3 खिलाड़ी अंडर-19 वीमेन हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर में चयनित 5. ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM) 6. आपणो खेत आपणो खाद अभियान 7. धरती माता बचाओ अभियान
4.	डोल प्रसाद अरयाल
5.	रिनी संपत
6.	बोरौज पेट्रो-रसायन संयंत्र
7.	स्वतंत्र रूस कक्षीय स्टेशन- ROS
8.	12वाँ इंडिया रबर एक्सपो, 2026
9.	स्वच्छता पखवाड़ा, 2026
10.	कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन (CPA)
11.	आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026
12.	प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण
13.	वियतनाम के नए राष्ट्रपति
14.	म्यांमार के नए राष्ट्रपति
15.	विश्व स्वास्थ्य दिवस, 2026 : 7 अप्रैल
16.	आर्टेमिस-II मिशन

--:1:--



पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन - 2026 : जयपुर

चर्चा में क्यों?

- 07 अप्रैल, 2026 को जयपुर में पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन - 2026 का आयोजन किया गया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

कृषि में नए युग की शुरुआत

किसानों की आय वृद्धि,
आधुनिक तकनीक और
नवाचार पर केंद्रित

पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन 2026

सहभागी राज्य:
राजस्थान | मध्य प्रदेश | महाराष्ट्र | गुजरात | गोवा

7 अप्रैल 2026
होटल मैरियट, जयपुर, राजस्थान

--2--



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजक** : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय।
- **सहभागी राज्य** : राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा।
- **सम्मेलन का उद्देश्य** : कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने और बदलती जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप प्रभावी रणनीति तैयार करना।
- ज्ञातव्य है कि देश की भौगोलिक विविधताओं को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों की शुरुआत की गई है। इसी क्रम में पहला क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन जयपुर में आयोजित किया गया।
- अगला क्षेत्रीय सम्मेलन 17 अप्रैल, 2026 को लखनऊ (उत्तरी क्षेत्र) में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।
- यह देश की पहली रीजनल कॉन्फ्रेंस है, जिसमें ICAR के वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विशेषज्ञ, प्रगतिशील किसान, FPOs, नेफेड, NCCF और बीज से लेकर बाजार तक काम करने वाली सभी संस्थाएँ एक मंच पर आईं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

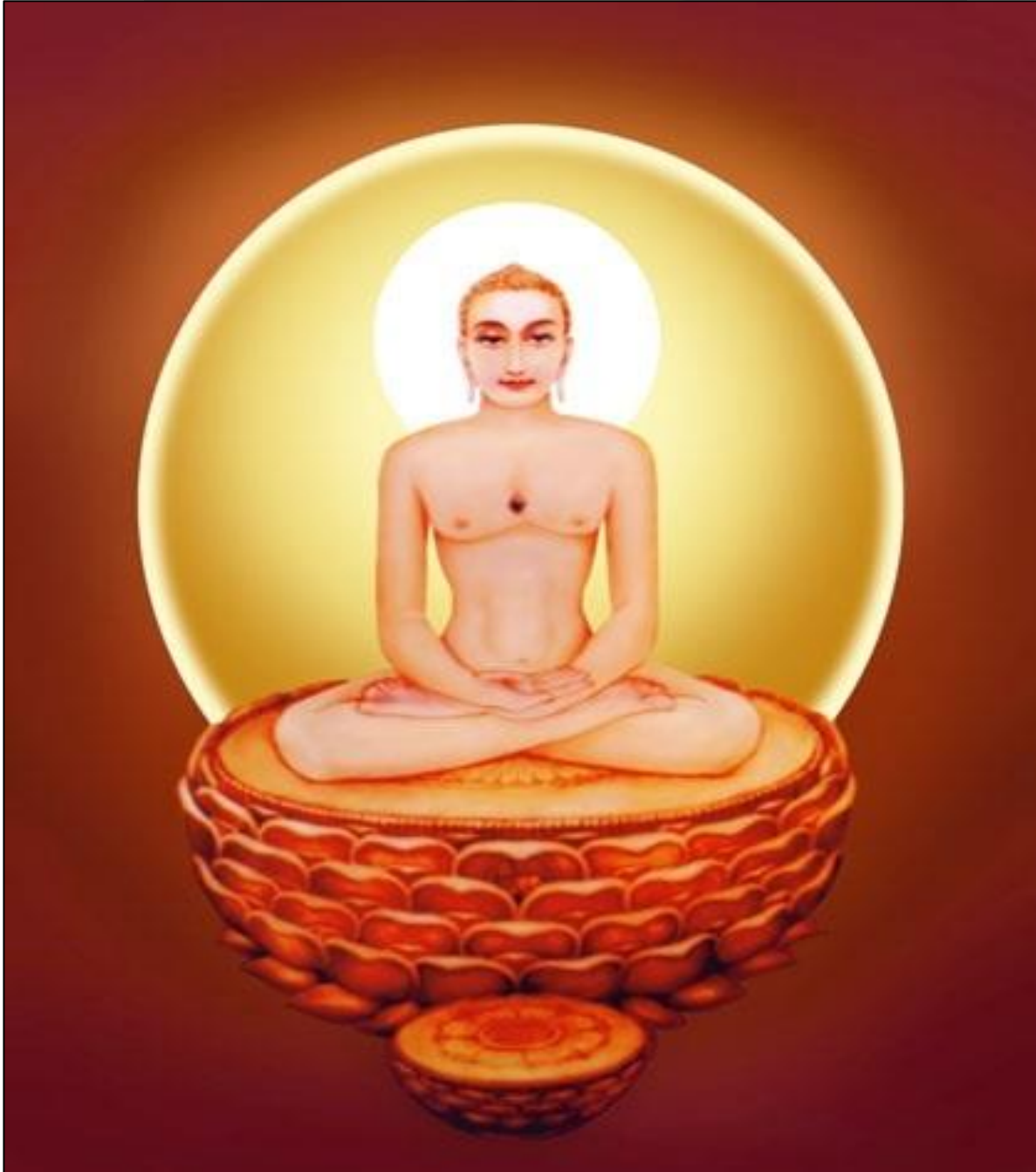
भारतीय कृषि के लिए तीन प्राथमिकताएँ:

- **खाद्य सुरक्षा** : देश को खाद्यान्न में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनाना, विशेषकर दलहन और तिलहन के क्षेत्र में।
- **किसानों की आय में वृद्धि** : खेती की लागत कम करना और उत्पाद का उचित मूल्य सुनिश्चित करना।
- **पोषण सुरक्षा** : आम जनता को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए नीतियों का निर्माण।

ऋषभदेव पखवाड़ा (1 से 15 अप्रैल)

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव की जयंती के उपलक्ष्य में 1 से 15 अप्रैल, 2026 तक प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों में "ऋषभदेव पखवाड़ा" मनाया जा रहा है।



--:4::--



मुख्य बिन्दु:

- इसका मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को भगवान ऋषभदेव के मानवतावादी सिद्धांतों और भारतीय संस्कृति के समृद्ध इतिहास से अवगत कराना है।
- **आयोजक** : संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान।
- **नोट** : राजस्थान मदरसा बोर्ड ने 12 से 15 मार्च, 2026 तक राज्य के मदरसों, अल्पसंख्यक छात्रावासों और आवासीय विद्यालयों में भगवान ऋषभदेव के जन्म-तप कल्याणक के अवसर पर अहिंसा, सत्य और सांस्कृतिक संवाद पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (ऋषभदेव):

- जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर।
- **प्रतीक** : बैल (वृषभ)।
- 'आदिपुराण' (जिनसेन द्वारा रचित) में उनके जीवन का विस्तृत वर्णन मिलता है।
- जैन परंपरा के अनुसार, ऋषभदेव ने समाज को 'असि (तलवार), मसि (लेखन स्याही), कृषि, विद्या, वाणिज्य और शिल्प' (छह कलाएं) सिखाई थीं।
- **ऋग्वेद में उल्लेख** : ऋग्वेद में दो तीर्थंकरों, ऋषभदेव और अरिष्टनेमि (22वें) का स्पष्ट उल्लेख मिलता है।
- 'श्रीमद्भागवत पुराण' में ऋषभदेव को भगवान विष्णु के 24 अवतारों में से एक माना गया है।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>एम्पावरिंग राजस्थान यूथ : ए लीगल लिटरेसी इनिशिएटिव - 2026</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (RSLSA) द्वारा 'एम्पावरिंग राजस्थान यूथ : ए लीगल लिटरेसी इनिशिएटिव - 2026' नामक एक महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की गई।मुख्य उद्देश्य : राजस्थान के स्कूली छात्रों को कानून और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना।इस पहल के तहत 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूजडे' (Transformative Tuesdays) अभियान चलाया जा रहा है, जिसकी शुरुआत 7 अप्रैल, 2026 से हुई।
2.	<p>IPS विनय कुमार : राज्यपाल के नए परिसहाय</p> <ul style="list-style-type: none">भारतीय पुलिस सेवा (IPS) के अधिकारी विनय कुमार डी.एच. को हाल ही में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का नया परिसहाय (ADC) नियुक्त किया गया।
3.	<p>'जूनियर एडिटर - 8' में राजस्थान के 2 प्रतिभागी विजेता</p> <ul style="list-style-type: none">समाचार पत्रिका दैनिक भास्कर समूह की सबसे बड़ी प्रतियोगिता 'जूनियर एडिटर - 8' के विजेताओं में राजस्थान के 2 प्रतिभागियों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया गया।सनीर पारीक (जयपुर) : कैटेगरी C (कक्षा 9 और 10) में प्रथम स्थान।पायल कुमावत (जयपुर) : कैटेगरी D (कक्षा 11 और 12) में प्रथम स्थान।

4.	<p>राजस्थान की 3 खिलाड़ी अंडर-19 वीमेन हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर में चयनित</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, BCCI की चयन समिति ने राजस्थान की तीन महिला क्रिकेटर्स को नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) द्वारा आयोजित अंडर-19 हाई परफॉरमेंस प्रशिक्षण शिविर के लिए चुना।यह शिविर उभरती प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर (विशेषकर अंडर-19 वर्ल्ड कप) के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।राजस्थान से चयनित महिला खिलाड़ी : हैप्पी कुमारी (झुंझुनू), तनिका शर्मा (दौसा) और मैना सियोल (जोधपुर)।नोट : झुंझुनू की हैप्पी कुमारी को WPL 2026 में गुजरात जायंट्स (GG) ने ₹10 लाख में खरीदा।
5.	<p>ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (GRAM)</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन : 23 से 25 मई, 2026 तक।आयोजन स्थल : जयपुर।उद्देश्य : प्रदेश के किसानों व पशुपालकों को नए तरीकों व तकनीकों से अवगत करवाने, नवाचार को बढ़ावा देने, किसानों की बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने साथ ही, कृषि व पशुपालन क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना।समिट पार्टनर : भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (FICCI)।
6.	<p>आपणो खेत आपणो खाद अभियान</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन अवधि : 6 से 30 अप्रैल, 2026 तक।अभियान का मुख्य उद्देश्य : मृदा के स्वास्थ्य में सुधार करना और रासायनिक खादों पर किसानों की निर्भरता को कम करना।आयोजक : कृषि विभाग, राजस्थान।
7.	<p>धरती माता बचाओ अभियान</p> <ul style="list-style-type: none">आयोजन अवधि : 1 से 15 अप्रैल, 2026 तक।अभियान का मुख्य उद्देश्य : मिट्टी की उर्वरता को सुरक्षित रखना और रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित करना।

राष्ट्रीय परिदृश्य

डोल प्रसाद अरयाल

चर्चा में क्यों?

- नेपाल में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) के डोल प्रसाद अरयाल को देश की संसद का अध्यक्ष चुना गया।



मुख्य बिन्दु:

- राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने डोल प्रसाद अरयाल को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।
- संसदीय सचिवालय के एक बयान के अनुसार RSP के उपाध्यक्ष अरयाल को प्रतिनिधि सभा के सदस्यों की एक बैठक के दौरान निर्विरोध संघीय संसद के निचले सदन का अध्यक्ष चुना गया।

रिनी संपत

मुख्य बिन्दु:



- तमिलनाडु में जन्मी रिनी संपत वॉशिंगटन डीसी के मेयर के पद के लिए चुनाव लड़ने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं।
- 31 वर्षीय संपत सरकारी ठेकेदार हैं, जो करीब एक दशक से वॉशिंगटन में रह रही हैं। उन्होंने अपने अभियान को बुनियादी नागरिक सेवाओं और शासन सुधारों पर केंद्रित किया है।

बोरौज पेट्रो-रसायन संयंत्र



मुख्य बिन्दु:

- संयुक्त अरब अमीरात में मिसाइल और ड्रोन हमलों में बोरौज पेट्रो-रसायन संयंत्र में आग लग गई।
- यह संयंत्र सऊदी अरब के साथ संयुक्त अरब अमीरात की पश्चिमी सीमा के पास रुवैस में स्थित है।

--:10:--

स्वतंत्र रूस कक्षीय स्टेशन- ROS



मुख्य बिन्दु:

- रूस अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के 2030 में समाप्त होने से पहले 2028 में अपने स्वतंत्र रूस कक्षीय स्टेशन- ROS का निर्माण शुरू कर देगा।
- रोस्कोस्मोस के अनुसार ROS का पहला मॉड्यूल वर्ष 2028 में लॉन्च किया जाएगा और यह स्टेशन पूरी तरह से रूस के स्वामित्व में होगा।

12वाँ इंडिया रबर एक्सपो, 2026



मुख्य बिन्दु:

- 7 अप्रैल, 2026 को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित 12वें इंडिया रबर एक्सपो, 2026 का उद्घाटन किया।
- **आयोजन:** 7 से 10 अप्रैल, 2026
- **आयोजक:** ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा

-:12:-

स्वच्छता पखवाड़ा, 2026



मुख्य बिन्दु:

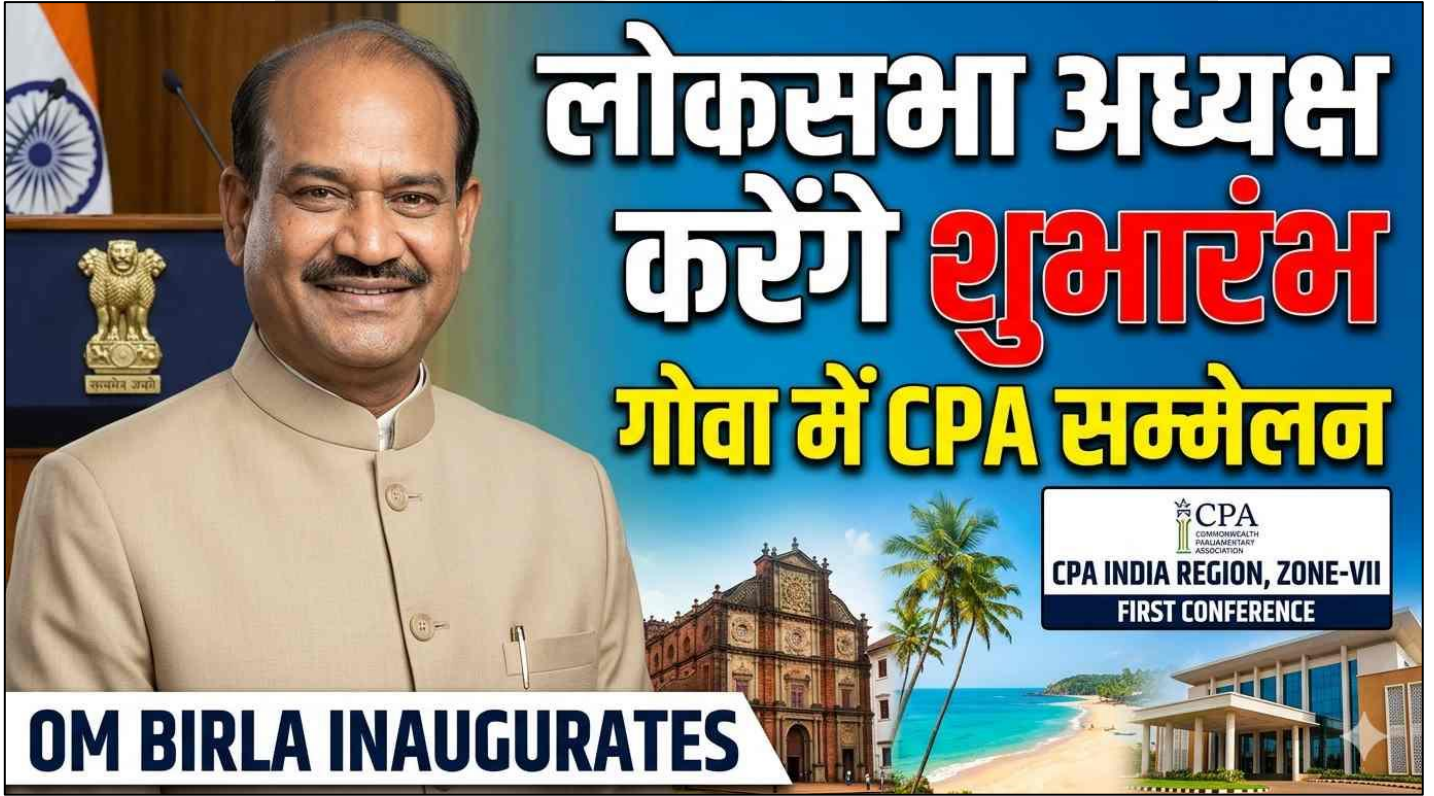
- विधि और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग में 1 अप्रैल से 15 अप्रैल, 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन (CPA)

चर्चा में क्यों?

- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला 9 अप्रैल, 2026 को गोवा के पणजी में कॉमनवेल्थ पार्लियामेंटरी एसोसिएशन (CPA) इंडिया क्षेत्र के ज़ोन VII के पहले सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे।



मुख्य बिन्दु:

- दो दिन तक चलने वाले इस सम्मेलन में निम्न विषयों पर चर्चा होगी:
 1. 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पाने में युवा विधायकों की भूमिका।
 2. व्यापार, पर्यटन, शहरीकरण, पर्यावरण और तटीय संपर्क के क्षेत्र में ज़ोन VII की प्राथमिकताएँ।

--:14:--

Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



CPA इंडिया क्षेत्र का ज़ोन VII:

- CPA इंडिया क्षेत्र का ज़ोन VII गोवा, गुजरात और महाराष्ट्र की विधानसभाओं से मिलकर बना है।
- 2024 में CPA इंडिया क्षेत्र को 9 ज़ोन में पुनर्गठित किए जाने के बाद यह ज़ोन VII का पहला सम्मेलन है।
- वर्तमान में गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष इस ज़ोन के अध्यक्ष हैं।



-:15:-

आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026

चर्चा में क्यों?

- भारत की राष्ट्रपति ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026 को अपनी सहमति दे दी है, जिसके तहत अमरावती को आधिकारिक तौर पर राज्य की एकमात्र और स्थायी राजधानी घोषित किया गया है।



मुख्य बिन्दु:

अमरावती:

- यह आंध्र प्रदेश की प्रशासनिक, विधायी और न्यायिक राजधानी है।
- **जिला:** गुंटूर जिला, आंध्र प्रदेश।

--:16::--

Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



- **आधुनिक शहर की आधारशिला:** 22 अक्टूबर, 2015
- **नामकरण:** सातवाहन राजवंश की प्राचीन राजधानी के नाम पर रखा गया।
- **सातवाहन राजवंश:** यह सातवाहनों (दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से तीसरी शताब्दी ईस्वी तक) की राजधानी के रूप में कार्य करता था, जो मध्य और दक्षिण भारत के पहले महान शासकों में से थे।
- **अमरावती स्तूप (महाचैत्य):** भारत के सबसे बड़े स्तूपों में से एक था, जो अमरावती कला शैली के नाम से प्रसिद्ध जटिल चूना पत्थर की नक्काशी से सुशोभित था।
- **शुआनज़ैंग की यात्रा:** प्रसिद्ध चीनी यात्री शुआनज़ैंग ने 639 ईस्वी में इस क्षेत्र की यात्रा की थी।

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

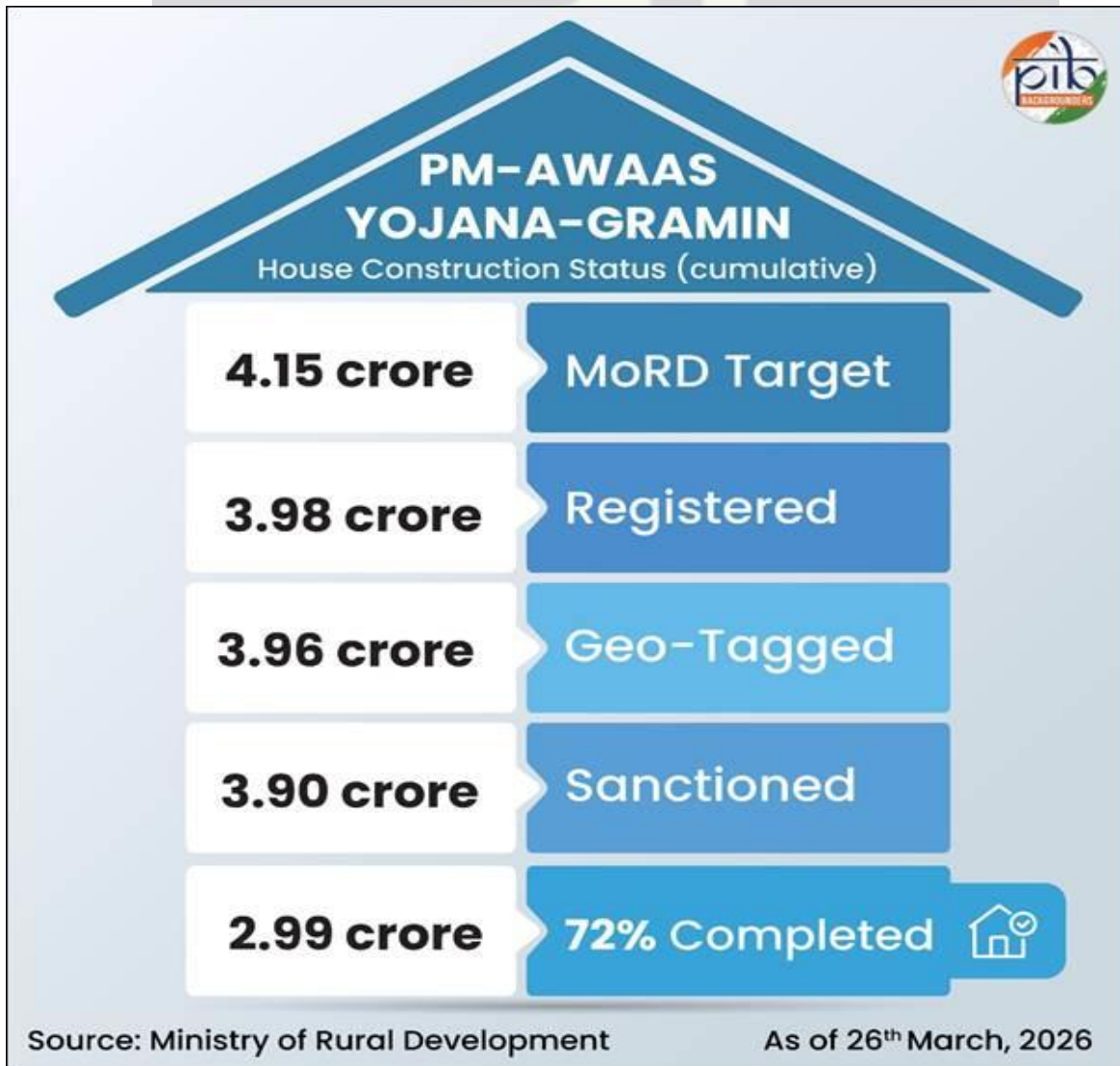
-:17:-

योजनाएँ एवं नीतियाँ

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण

चर्चा में क्यों?

- 1 अप्रैल, 2026 को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का एक दशक पूरा हो गया गया है।
- 26 मार्च, 2026 तक, PMAY-ग्रामीण चरण I और II के तहत, राज्यों को 4.15 करोड़ घर आवंटित किए गए, 3.90 करोड़ स्वीकृत किए गए और 2.99 करोड़ घर पूरे हो चुके हैं।
- इस संचयी लक्ष्य का उद्देश्य वर्ष 2029 तक 4.95 करोड़ ग्रामीण घरों का निर्माण करना है।





मुख्य बिन्दु:

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण:

- **लागू/शुभारंभ:** 1 अप्रैल, 2016
- **उद्देश्य:** सभी बेघर परिवारों और कच्चे या जर्जर घरों में रहने वालों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त स्थायी घर उपलब्ध कराना।
- **लक्ष्य:** "सभी के लिए आवास"
- **कार्यान्वयन:** ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा।
- **चयन:** लाभार्थियों के चयन में एक संपूर्ण तीन-चरणीय सत्यापन प्रक्रिया शामिल है, जिसमें सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना 2011, ग्राम सभा की स्वीकृति और भौगोलिक टैगिंग शामिल हैं।
- **लागत साझाकरण:** मैदानी क्षेत्रों के मामले में केंद्र और राज्य 60:40 के अनुपात में और पूर्वोत्तर राज्यों, दो हिमालयी राज्यों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के लिए 90:10 के अनुपात में व्यय साझा करते हैं।
- लद्दाख समेत अन्य केंद्र शासित प्रदेशों के मामले में केंद्र सरकार 100% लागत वहन करती है।

कार्यान्वयन ढाँचा और सुधार:

1. **प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी):** वित्तीय सहायता सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में जारी की जाती है।
2. **घरों की जियो-टैगिंग:** निर्माण के हर चरण में, समय और तारीख के साथ तस्वीरें अपलोड की जाती हैं।
3. **ब्लॉक और जिला निरीक्षण:** ब्लॉक स्तर पर अधिकारी लगभग 10% घरों का निरीक्षण करते हैं, जबकि जिला अधिकारी निर्माण के प्रत्येक चरण में 2% घरों का निरीक्षण करते हैं।

4. **सामाजिक लेखापरीक्षा:** प्रत्येक ग्राम पंचायत वर्ष में कम से कम एक बार औपचारिक सामाजिक लेखापरीक्षा आयोजित करती है।
5. **राष्ट्रीय स्तर की निगरानी:** ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारी और राष्ट्रीय स्तर के पर्यवेक्षक क्षेत्र निरीक्षण के दौरान घरों का दौरा करते हैं।
6. **आवाससॉफ्ट MIS प्लेटफॉर्म:** आवाससॉफ्ट एक द्विभाषी, वेब-आधारित प्लेटफॉर्म है जो पीएमएवाई-जी के सभी कार्यों को एकीकृत करता है।

विशेषताएँ:

- PMAY-G के तहत घरों का न्यूनतम आकार 25 वर्ग मीटर है, जिसमें स्वच्छ खाना पकाने के लिए एक अलग क्षेत्र शामिल है। योजना को अपने लक्ष्यों को धीरे-धीरे प्राप्त करने के लिए कई चरणों में लागू किया गया है।
- PMAY-G ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (पूर्व में MGNREGA), स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण, स्वयं सहायता समूह, जल जीवन मिशन और पीएम-सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के साथ सहज समन्वय के माध्यम से लाभार्थियों को सशक्त बनाया है।

ग्रामीण परिवारों पर प्रभाव:

1. **जीवन स्तर में सुधार:** अब परिवार स्थायी घरों में रहते हैं जो टिकाऊ, सुरक्षित और मौसम प्रतिरोधी हैं। अस्थायी आवास से स्थायी आवास की ओर इस बदलाव ने लाखों परिवारों के लिए सुरक्षा और सम्मान को बढ़ाया है।
2. **स्वच्छता तक पहुँच:** विभिन्न अन्य योजनाओं के साथ समन्वय के माध्यम से, पीएमएवाई-जी के लाभार्थियों को शौचालय निर्माण के लिए स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण [SBM(G)], MGNREGA (अब VB-G-RAM-G) या किसी अन्य समर्पित निधि स्रोत से ₹12,000 की सहायता प्राप्त होती है।

Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



3. **रोजगार सहायता:** यह योजना MGNREGA (अब VB-G-RAM-G) के तहत 90-95 व्यक्ति-दिवस के अकुशल श्रम मजदूरी की गारंटी देती है।
4. **स्वच्छ पाक ऊर्जा:** प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के साथ समन्वय से परिवारों को एलपीजी कनेक्शन प्राप्त करने में मदद मिली है। इससे पारंपरिक ईंधनों पर निर्भरता कम हुई है।
5. **बिजली और जल आपूर्ति:** सरकारी कार्यक्रमों के माध्यम से लाभार्थियों को बिजली कनेक्शन और पाइप से पीने का पानी मिलता है।
6. **नवीकरणीय ऊर्जा विकल्प:** सतत ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सौर लैंप और छत पर लगने वाले सौर पैनल पेश किए गए हैं।
7. **गुणवत्तापूर्ण घरों के लिए कौशल विकास:** PMAY-G के अंतर्गत ग्रामीण राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम कुशल राजमिस्त्रियों की कमी को दूर करता है, गुणवत्तापूर्ण आवास सुनिश्चित करता है और ग्रामीण आजीविका सृजित करता है।
8. **महिला सशक्तिकरण:** महिलाओं के नाम पर या पति के साथ संयुक्त रूप से घर के स्वामित्व को प्रोत्साहित करके, PMAY-G महिलाओं के संपत्ति अधिकारों और सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाता है।

--:21:--

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

वियतनाम के नए राष्ट्रपति

चर्चा में क्यों?

- 7 अप्रैल, 2026 को, वियतनाम की नेशनल असेंबली ने कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव और 16वीं राष्ट्रीय सभा के सदस्य 'तो लाम' को सर्वसम्मति से 2026 से 2031 के लिए वियतनाम समाजवादी गणराज्य का नया राष्ट्रपति चुना।





मुख्य बिन्दु:

- **मतदान परिणाम:** 495 में से 495 प्रतिनिधियों के पक्ष में मतदान के साथ, राष्ट्रीय सभा ने एक प्रस्ताव पारित कर कॉमरेड महासचिव तो लाम को 2026 से 2031 कार्यकाल के लिए वियतनाम के समाजवादी गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में चुना।
- टू लैम, इससे पहले वियतनाम के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री थे।
- लाम, राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष (वर्ष 2024 में) रहे हैं और केंद्रीय सैन्य आयोग के सचिव (अगस्त, 2024 से) भी रहे हैं।
- टो लाम के राष्ट्रपति बनने के साथ ही वियतनाम की दशकों पुरानी 'सामूहिक नेतृत्व' की परंपरा का अंत हो गया है, क्योंकि अब देश की सत्ता के दोनों शीर्ष पद- पार्टी प्रमुख और राष्ट्रपति एक ही व्यक्ति के पास आ गए हैं।

लाम की विदेशी नीति:

- विदेशी निवेशक वियतनाम की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख घटक हैं।
- विदेश नीति के मामले में भी लैम व्यावहारिक रहे हैं। उन्होंने वियतनाम की बैम्बू डिप्लोमेसी (बाँस कूटनीति) को बनाए रखा है और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का विस्तार करते हुए प्रमुख शक्तियों के साथ संबंधों को संतुलित करने का प्रयास किया है।

वियतनाम

- **स्थान:** यह दक्षिणपूर्व एशिया की मुख्य भूमि के पूर्वी भाग में स्थित है।
- **पड़ोसी देश:** यह उत्तर में चीन और पश्चिम में कंबोडिया और लाओस से घिरा हुआ है।
- **समुद्री सीमाएँ:** यह दक्षिण चीन सागर (पूर्व और दक्षिण) और थाईलैंड की खाड़ी (दक्षिण-पश्चिम) के साथ सीमा साझा करता है।
- **राजधानी:** हनोई।
- **मुद्रा:** वियतनामी डॉंग।
- **प्रमुख नदियाँ:** रेड नदी और मेकांग नदी दोनों दक्षिण चीन सागर में गिरती हैं।
- **प्रमुख पर्वत:** वियतनाम की प्रमुख भौगोलिक विशेषता अन्नामी कॉर्डिलेरा है जो मध्य वियतनाम में उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व तक फैली हुई है।
- **सबसे ऊँचा स्थान:** वियतनाम का सबसे ऊँचा स्थान फान शी पांग (3,144 मीटर) है।

म्यांमार के नए राष्ट्रपति

चर्चा में क्यों?

- 3 अप्रैल, 2026 को, म्यांमार की संसद ने सैन्य प्रमुख जनरल मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुना है।

मुख्य बिन्दु:

- म्यांमार की संसद ने सीनियर जनरल मिन आंग ह्लाइंग को 584 में से 429 वोटों के साथ राष्ट्रपति चुना।
- कार्यकाल:** 5 साल की अवधि के लिए निर्वाचित।
- उन्होंने वर्ष 2021 में आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार का तख्तापलट किया था।



म्यांमार



Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



- **अवस्थिति:** स्थलीय क्षेत्रफल के मामले में मुख्य भूमि दक्षिण-पूर्वी एशिया का सबसे बड़ा देश।
- **सीमावर्ती देश:** चीन (उत्तर और उत्तर-पूर्व), लाओस (पूर्व), थाईलैंड (दक्षिण पूर्व), बांग्लादेश (पश्चिम), भारत (उत्तर पश्चिम)।
- **इसकी सीमा** भारत के 4 राज्यों अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम से लगती हैं।
- **सीमावर्ती जल निकाय:** अंडमान सागर (दक्षिण), बंगाल की खाड़ी (दक्षिण पश्चिम)।
- **राजधानी:** नेपीडा
- **मुद्रा:** क्यात
- **प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ:** रखाइन पर्वत, शान पठार, डौना श्रेणी, तेनासेरिम पर्वतमाला आदि।
- **प्रमुख नदियाँ:** इरावदी, चिंदविन, सितांग, साल्वीन आदि।

--:25:--

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 📌

विश्व स्वास्थ्य दिवस, 2026 : 7 अप्रैल

📢 चर्चा में क्यों?

- 7 अप्रैल, 1948 को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) की स्थापना के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।



World Health Organization
South-East Asia Region

Celebrating World Health Day 2026

TOGETHER FOR HEALTH.
STAND WITH SCIENCE.

7 April 2026, 02:30 – 04:00 PM

watch LIVE on youtube.com/@whosoutheastasia

📌 मुख्य बिन्दु:

- पहला विश्व स्वास्थ्य दिवस:** पहला विश्व स्वास्थ्य दिवस 1949 में मनाया गया था, लेकिन वर्ष 1950 से इसे 7 अप्रैल को स्थानांतरित कर दिया गया।
- विश्व स्वास्थ्य दिवस, 2026 का आधिकारिक विषय:** "स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहें" / Together for health. Stand with science.

- 2026 के अभियान के केंद्र में दो प्रमुख वैश्विक आयोजन हैं:
 1. फ्रांस की सरकार द्वारा G7 की अध्यक्षता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वन हेल्थ शिखर सम्मेलन (7 अप्रैल): नीति निर्माण में एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित करता है।
 2. WHO सहयोगी केंद्रों का उद्घाटन वैश्विक मंच (7 से 9 अप्रैल), जिसमें 80 से अधिक देशों के लगभग 800 वैज्ञानिक संस्थान एकत्रित हुए।
- यह दोनों आयोजन मिलकर संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के अंतर्गत अब तक का सबसे बड़ा वैज्ञानिक नेटवर्क बनाते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:
भारत के संदर्भ में स्वास्थ्य डेटा:
- **जन्म पर जीवन प्रत्याशा:** भारत में जन्म के समय जीवन प्रत्याशा में 4.11 वर्ष की वृद्धि हुई है, जो वर्ष 2000 में 63.2 [62.6 - 63.8] वर्ष से बढ़कर वर्ष 2021 में 67.3 [66.9 - 67.8] वर्ष हो गई है।
- **मृत्यु दर:** चीन के बाद भारत वार्षिक मृत्यु दर का दूसरा सबसे बड़ा आँकड़ा रखता है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC):
- **आयुष्मान भारत (AB-PMJAY):** यह एक प्रमुख योजना है, जिसका उद्देश्य कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करके सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्राप्त करना है।
- **सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) प्रगति मापन:** भारत की यूएचसी प्रगति को विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के त्रिविध अरब लक्ष्य ढाँचे (कवरेज, सुरक्षा, स्वस्थ जनसंख्या) के तहत ट्रैक किया जाता है।

रोग उन्मूलन:
- **पोलियो मुक्त स्थिति:** भारत में पोलियो का अंतिम मामला वर्ष 2011 में दर्ज किया गया था और वर्ष 2014 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र द्वारा इसे पोलियो मुक्त घोषित किया गया था।
- **मातृ एवं नवजात शिशु टेटनस उन्मूलन (वर्ष 2015):** भारत ने इस बीमारी को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में सफलतापूर्वक समाप्त कर दिया है।

Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



- **खसरा-रूबेला अभियान:** विश्व का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान, जिसका लक्ष्य लगभग 410 मिलियन बच्चों को शामिल करना है।
- **HPV टीकाकरण अभियान:** सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की आयु की 1.15 करोड़ लड़कियों के लिए राष्ट्रव्यापी निःशुल्क एचपीवी टीकाकरण अभियान।
- इस अभियान में स्वैच्छिक, निःशुल्क, एकल खुराक वाली गार्डसिल-4 वैक्सीन का उपयोग किया जाता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO)

स्थापना	7 अप्रैल, 1948 (विश्व स्वास्थ्य दिवस)
मुख्यालय	जिनेवा, स्विट्जरलैंड
सदस्यता	194 सदस्य देश
क्षेत्रीय कार्यालय	■ छह क्षेत्र: अफ्रीका, अमेरिका, दक्षिणपूर्व एशिया, यूरोप, पूर्वी भूमध्य सागर, पश्चिमी प्रशांत
पहला वैश्विक महामारी समझौता	■ मई, 2025 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने अपनी 78 वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में WHO संविधान के अनुच्छेद-19 के तहत विश्व का पहला वैश्विक महामारी समझौता अपनाया है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करना और महामारी के प्रति समान प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना है। ■ यह वर्ष 2003 के तंबाकू नियंत्रण पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन के बाद दूसरा कानूनी साधन है। ■ 78 वीं विश्व स्वास्थ्य सभा ने ऑस्ट्रिया, नॉर्वे, ओमान और सिंगापुर को उनके खाद्य आपूर्ति से औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैटी एसिड (TFA) को समाप्त करने के लिए सम्मानित किया।

--:28:--

आर्टेमिस-II मिशन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, (NASA) ने 'आर्टेमिस मिशन' के दूसरे चरण, आर्टेमिस 2 (Artemis II), को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

ARTEMIS 2 MISSION

HUMANITY'S NEXT GIANT LEAP TOWARD THE MOON

NASA successfully launched Artemis 2, the first crewed mission to the Moon since 1972. Four astronauts aboard the Orion spacecraft embarked on a 10-day journey to test systems, push boundaries, and pave the way for Artemis 3, which will land humans on the lunar surface.

THE CREW

- REID WISEMAN** - Commander
- VICTOR GLOVER** - Pilot
- CHRISTINA KOCH** - Mission Specialist
- JEREMY HANSEN** - Mission Specialist

MISSION OBJECTIVES

- Test the Orion spacecraft and the Space Launch System (SLS) rocket.
- Conduct a **Lunar Flyby**: orbit around the Moon and return to Earth (no landing).
- Validate life-support systems and spacecraft performance in deep space.
- Pave the way for Artemis 3, which will land humans on the lunar surface.

KEY ACHIEVEMENTS

- LUNAR FLYBY COMPLETED**
The crew successfully flew around the far side of the Moon.
- NEW DISTANCE RECORD**
The mission covered **252,756 MILES**, breaking the previous Apollo 13 record and marking the farthest distance ever traveled by humans.
- COMMUNICATION BLACKOUT**
As Orion passed behind the Moon, the crew experienced a **40-MINUTE** communications blackout. This was expected and vital for testing.
- EXTENSIVE DATA COLLECTION**
The crew witnessed Earthrise from the Moon, observed a solar eclipse, and collected significant data on the lunar surface.

TECHNICAL CHALLENGES & FUTURE OUTLOOK

- Radiation**: Protecting astronauts from deep space radiation.
- Communication**: Overcoming delays and blackouts behind the Moon.
- Life-Support Systems**: Ensuring safety and reliability for long-duration missions.

Artemis 2 is a stepping stone. If successful, NASA plans to launch Artemis 3 in **2027-28**, which will include the **first woman** and the **first Black astronaut** to step on the Moon's south pole.

CONCLUSION

Artemis 2 tests the limits of technology and human endurance in deep space—radiation, communication barriers, and life-support systems. Its success brings us closer to Artemis 3 and the safe return of humans to the Moon, laying the foundation for long-term exploration and **future missions to Mars**.

ABOUT THE ARTEMIS PROGRAM

The Artemis program, led by NASA, is the primary initiative for lunar exploration, established in 2017 under Space Policy Directive 1. Its objectives include:

- Sending humans to the Moon by 2028 for the first time since Apollo 17.
- Establishing a sustainable lunar base in the 2030s as a foundation for deep space exploration.

The program involves:

- SLS Core Stage
- RS-25 Engines
- Solid Rocket Boosters
- Orion Spacecraft
- Human Landing Systems (HLS) (by private companies)

It is a global effort under the Artemis Accords, with partners around the world.

मुख्य बिन्दु:

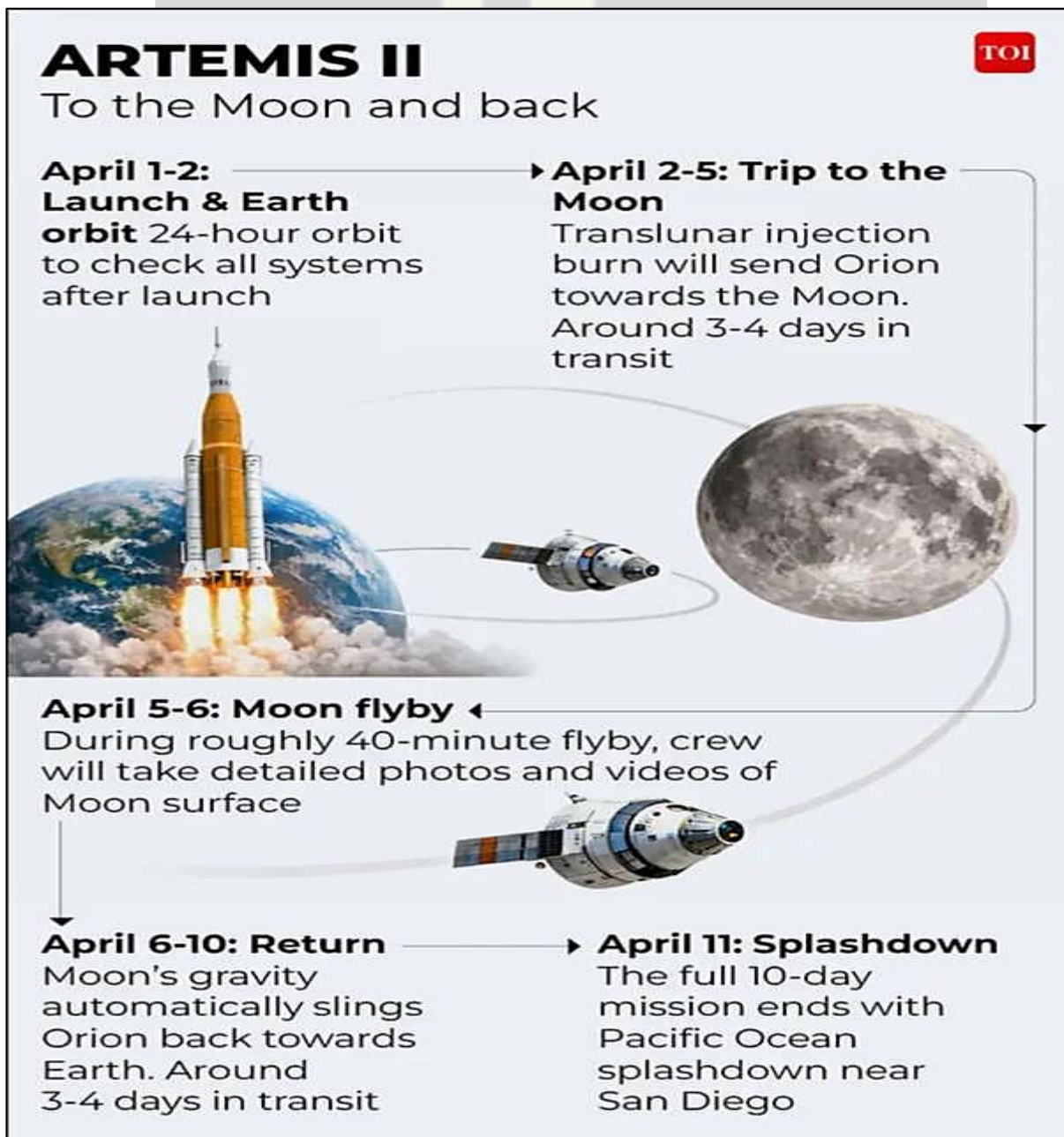
- **परिचय:** नासा का आर्टेमिस II आर्टेमिस कार्यक्रम का पहला मानवयुक्त मिशन है और वर्ष 1972 के अपोलो 17 मिशन के बाद पहली बार मनुष्य चंद्रमा के चरों ओर यात्रा कर रहे हैं। यह 10-दिवसीय लुनार फ्लाईबाई मिशन ओरियन अंतरिक्ष यान पर 4 अंतरिक्ष यात्रियों को ले गए ताकि गहन-अंतरिक्ष लाइफ सपोर्ट सिस्टम को वेरिफाई किया जा सके।
- **लॉन्च:** 1 अप्रैल, 2026, यह मिशन स्पेस लॉन्च सिस्टम (SLS) का उपयोग करता है, यह अब तक का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है, जो 8.8 मिलियन पाउंड का बल उत्पन्न करता है।
- **कू प्रोफाइल:** चार-व्यक्ति के चालक दल में गहन-अंतरिक्ष अन्वेषण के लिये कई लोग "पहली बार" शामिल हुए:



1. **रीड वाइसमैन (कमांडर):** नासा के अनुभवी और पूर्व मुख्य अंतरिक्ष यात्री।
2. **विक्टर ग्लोवर (पायलट):** लो-अर्थ ऑर्बिट से परे यात्रा करने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति।
3. **क्रिस्टीना कोच (मिशन विशेषज्ञ):** चंद्रमा के चारों ओर यात्रा करने वाली पहली महिला।
4. **जेरेमी हैनसेन (मिशन विशेषज्ञ):** कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी (CSA) के एक अंतरिक्ष यात्री, वह पृथ्वी की कक्षा छोड़ने वाले पहले गैर-अमेरिकी हैं।

--:30:--

- **आर्टेमिस 2 का प्राथमिक लक्ष्य:** 'ओरियन' (Orion) अंतरिक्ष यान और 'स्पेस लॉन्च सिस्टम' (SLS) रॉकेट की क्षमताओं का परीक्षण करना।
- **प्रक्षेपवक्र (ट्रेजेक्टरी):** यह एक "लूनर फ्लाईबी" (Lunar Flyby) मिशन है, जिसका अर्थ है कि अंतरिक्ष यात्री चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे नहीं, बल्कि उसके चारों ओर चक्कर लगाकर वापस आएं।
- **Splashdown:** 10 अप्रैल, 2026 को प्रशांत महासागर में लैंडिंग के साथ समाप्त होगा।



- **उन्नत संचार:** पहली बार NASA लेज़र कम्युनिकेशन (O2O) का परीक्षण किया, जो 260 Mbps पर डेटा संचारित करने के लिये इन्फ्रारेड लेज़र का उपयोग करता है, तथा लुनार डिस्टेंस से 4K वीडियो स्ट्रीमिंग की अनुमति देता है।
- **जैविक अनुसंधान:** AVATAR (ए वर्चुअल एस्ट्रोनॉट टिशू एनालॉग रिस्पांस) का प्रयोग चालक दल अपने सेल के साथ "ऑर्गन-ऑन-ए-चिप" तकनीक का उपयोग करके गहन-अंतरिक्ष विकिरण और माइक्रोग्रैविटी के वास्तविक समय के प्रभावों का अध्ययन कर रहे हैं।

प्रमुख उपलब्धियाँ:

- **लूनर फ्लाईबाय पूर्ण हुआ:** मिशन की टीम ने चंद्रमा के दूरस्थ भाग के पास से सफलतापूर्वक उड़ान भरी।
- **दूरी का नया रिकॉर्ड:** मिशन ने 252,756 मील की दूरी तय कर पिछले अपोलो 13 रिकॉर्ड को तोड़ा जो यह मानव द्वारा अब तक की सबसे दूर की यात्रा है।
- **बृहद डेटा संग्रह:** मिशन ने चंद्रमा के ऊपर से पृथ्वी का अर्थराइज़ (Earthrise) देखा और इस दौरान सौर ग्रहण तथा लूनर सतह के कई महत्वपूर्ण अवलोकन किए।
- अमरीका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आर्टेमिस-दो मिशन के चालक दल द्वारा चंद्रमा की परिक्रमा करते समय ली गई चंद्रमा की एक तस्वीर साझा की है।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

आर्टेमिस कार्यक्रम:

- **परिचय और शुरुआत:** आर्टेमिस कार्यक्रम नासा के नेतृत्व में चंद्रमा अन्वेषण का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे वर्ष 2017 में अंतरिक्ष नीति निर्देश 1 के तहत शुरू किया गया।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य वर्ष 2028 तक अपोलो 17 के बाद पहली बार चंद्रमा पर मानव भेजना और वर्ष 2030 के दशक में वहाँ स्थायी आधार स्थापित करना है, जो गहरे अंतरिक्ष में मानव मिशनों की तैयारी के लिए प्रारंभिक कदम होगा।

- **तकनीकी:** कार्यक्रम में स्पेस लॉन्च सिस्टम (SLS) का कोर स्टेज, RS-25 इंजन, सॉलिड रॉकेट बूस्टर, ओरियन अंतरिक्ष यान और निजी कंपनियों द्वारा विकसित ह्यूमन लैंडिंग सिस्टम (HLS) शामिल हैं।

आर्टेमिस समझौता (वर्ष 2020):

- **सिद्धांत:** यह अंतरिक्ष अन्वेषण में शांतिपूर्ण उपयोग, पारदर्शिता, इंटरऑपरेबिलिटी, आपातकालीन सहायता, वैज्ञानिक डेटा साझाकरण और जिम्मेदार व्यवहार जैसे सिद्धांतों पर आधारित है।
- **सदस्य:** जनवरी, 2026 तक 61 देश इन समझौता से जुड़ चुके हैं। भारत ने जून, 2023 को इस पर हस्ताक्षर किए थे।
- **आर्टेमिस मिशनों की अद्यतन श्रृंखला:** मार्च, 2026 के नासा अपडेट के अनुसार आर्टेमिस रोडमैप;

मिशन	विवरण
आर्टेमिस I (वर्ष 2022)	<ul style="list-style-type: none">■ यह एक मानवरहित मिशन था, जिसने एसएलएस रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान के चंद्र-पथ पर सफल परीक्षण-उड़ान की।
आर्टेमिस II (वर्ष 2026)	<ul style="list-style-type: none">■ यह पहला क्रू आर्टेमिस मिशन है। 1 अप्रैल, 2026 को इसका लॉन्च हुआ। इसमें 4 अंतरिक्ष यात्री हैं- रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन।■ यह चंद्रमा मिशन पर उतरने के बजाय चंद्र फ्लॉइबाई, जीवन-समर्थन, नेविगेशन, संचार, चालक दल संचालन और ओरियन की गहरी-अंतरिक्ष उपयुक्तता का परीक्षण करना है।

Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



आर्टेमिस III (वर्ष 2027)	<ul style="list-style-type: none">नासा के वर्तमान आधिकारिक मिशन पृष्ठ के अनुसार आर्टेमिस III अब वर्ष 2027 में कम पृथ्वी की कक्षा में मिलन और डॉकिंग डेमो मिशन है।इसका मुख्य उद्देश्य वाणिज्यिक चंद्र लैंडर सिस्टम और ओरियन के बीच डॉकिंग और परिचालन तत्परता का परीक्षण करना है।यह अब स्थायी चंद्र लैंडिंग मिशन नहीं है।
आर्टेमिस IV (प्रारंभिक वर्ष 2028)	<ul style="list-style-type: none">नासा के मार्च, 2026 अपडेट के अनुसार पहली आर्टेमिस चंद्र लैंडिंग अब वर्ष 2028 की शुरुआत में लक्ष्य की जा रही है, और आर्टेमिस IV को चालक दल की सतह लैंडिंग मिशन के रूप में पेश किया जा रहा है।दो सदस्य चंद्र सतह, समुद्र तट दक्षिण ध्रुव क्षेत्र, पर लगभग एक सप्ताह का विज्ञान-कार्य करेंगे।

विभिन्न देशों के प्रमुख चन्द्रयान:

मिशन	देश	विवरण
चंद्रयान-1 चंद्रयान-2 चंद्रयान-3	भारत	<ul style="list-style-type: none">चंद्रयान-1 ने चंद्रमा पर पानी के अणुओं के संकेत दिए थे और चंद्रयान-3 ने 2023 में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के करीब सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर भारत को इस क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।
चांग'ई-6 मिशन (वर्ष 2024)	चीन	<ul style="list-style-type: none">चंद्रमा के दूर से नमूना-वापसी करने वाला पहला मिशन बना।एक जटिल और विश्व में पहली बार किये गए इस मिशन ने चंद्रमा के दूरवर्ती दक्षिणी ध्रुव-ऐटकेन बेसिन पर लैंडिंग कर विशिष्ट मृदा सैंपल एकत्र किये और पृथ्वी पर लौटाए।

--:34:--



Daily Current Affairs

Date : 08 April, 2026



SLIM (चंद्रमा की जाँच के लिए स्मार्ट लैंडर)	जापान	■ जनवरी, 2024 में चंद्रमा पर उतरा और इसे उच्च-परिशुद्धता या "पिनपॉइंट लैंडिंग" उपलब्धि के रूप में देखा गया।
अर्गोनॉट	ESA (यूरोप)	■ अर्गोनॉट, ESA का सबसे बड़ा स्वतंत्र चंद्र लैंडर कार्यक्रम है। यह यूरोप की स्वायत्त चंद्र पहुँच परियोजना है, जिसके तहत 2030 के दशक से एरियन 6 के माध्यम से कार्गो चंद्रमा की सतह पर व्यक्तियों का लक्ष्य है।
IM-1 (ओडीसियस) (वर्ष 2024)	अमेरिका (प्राइवेट)	■ वाणिज्यिक कंपनी द्वारा चंद्रमा पर पहली सफल लैंडिंग और 50 वर्षों में अमेरिकी द्वारा चंद्र सतह पर पहली वापसी, हालाँकि लैंडर ने उतरते समय थोड़ा झुकाव प्रदर्शित किया।

